24 अप्रैल 2020

विषय ★★इतिहास
पार्ट 2 सब्सिडरी/सामान्य
व्यख्यान
प्रसंग ■ मुगल वंश { व्याख्यान संख्या 3}

By डॉ० शिशिर कुमार झा
इतिहास विभाग
MLS COLLEGE SARISAB PAHI MADHUBANI

मुग़ल बादशाहों की सूची ◆◆◆◇

मुग़ल सम्राटों के बारे में कुछ महत्वपूर्ण विवरण नीचे है:

बाबर ●●●●●
24 फ़रवरी 1483 1526–1530 1530 बाबर के पिता उमरशेख मिर्जा, फ़रग़ाना के छोटे

राज्य के शासक थे। बाबर फ़रग़ाना की गद्दी पर 8 जून 1494 ईस्वी में बैठा। बाबर ने 1507

ईस्वी में बादशाह की उपाधि धारण की, जिसे अब तक किसी तैमूर शासक ने धारण नहीँ

किया था। बाबर के चार पुत्र थे हुमायूँ, कामरान, असकरी और हिँदाल। बाबर ने भारत पर पाँच बार आक्रमण किया।

नसीरुद्दीन मोहम्मद हुमायूँ ●●●
6 मार्च 1508 1530-1540 जनवरी 1556सूरी राजवंश द्वारा शासन बाधित हुआ। युवा

और अनुभवहीनता के उदगम की वजह से उन्हें, शक्तिशाली शेर शाह सूरी से कम प्रभावी

शासक माना गया।
नसीरुद्दीन मोहम्मद हुमायूँ 6 मार्च 1508 1555-1556 जनवरी 1556 दीनपनाह

पुस्तकालय (दिल्ली) की सिढियो से गिरकर। प्रारंभिक शासनकाल 1530-1540 की तुलना

में बहाल नियम अधिक एकीकृत और प्रभावी था; अपने बेटे अकबर के लिए एकीकृत साम्राज्य छोड़ गए

शेर शाह सूरी ●●●●●
1472 1540-1545 मई 1545 हुमायूँ को1539में चौंसा के युदध में हराकर पद से गिराया और सूरी राजवंश का नेतृत्व किया; घनिष्ठ, प्रभावी प्रशासन नीतियों की शुरुआत की जो बाद में अकबर द्वारा अपनाई गयी

1545-1554 1554 सूरी राजवंश का दूसरा और अंतिम शासक, अपने पिता की तुलना में साम्राज्य पर कम नियंत्रण के साथ; बेटे सिकंदर और आदिल शाह के दावे, हुमायूँ के बहाली के द्वारा समाप्त हो गए।

जलालुद्दीन मोहम्मद अकबर 14 नवम्बर 1542 1556-1605 27 अक्टूबर 1605 अकबर ने साम्राज्य में सबसे अधिक क्षेत्र जोड़े और मुगल राजवंश के सबसे शानदार शासक माने जाते हैं; उन्होंने उन्हीं की तरह राजपूताना की एक राजकुमारी जोधा से शादी की। जोधा एक हिन्दू थी। पहले बहुत से लोगों ने विरोध किया, लेकिन उसके अधीन, हरात्मक मुस्लिम/हिन्दू संबंध उच्चतम पर थे।

नुरुद्दीन मोहम्मद जहाँगीर ●●●●

अक्टूबर 1569 1605-1627 1627 जहाँगीर ने बेटों के अपने सम्राट पिता के खिलाफ विद्रोही होने की मिसाल दी। ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के साथ पहला संबंध बनाया। एक शराबी कथित हुए और उनकी पत्नी महारानी नूर जहान, सिंहासन के पीछे की असली ताकत बनी और उनके स्थान पर सक्षम शासन किया।

शहाबुद्दीन मोहम्मद शाहजहाँ,●●●●●

सिंहासन के उदगम से पहले राजकुमार खुर्रम के नाम से जाने गए 5 जनवरी 1592

1627-1658 1666 उसके तहत, मुग़ल कला और शिल्प उनके शीर्षबिंदु पर पहुँचा; ताजमहल, जहाँगीर समाधि और लाहौर में शालीमार गार्डन का निर्माण किया। उनके बेटे औरंगजेब द्वारा पद से हटाए गए और कैद किए गए।

मोइनुद्दीन मोहम्मद औरंगजेब आलमगीर ●●●

21 अक्टूबर 1618 1658-1707 3 मार्च 1707

अपव्ययी और अपने पूर्ववर्तियों के मुकाबले हिन्दू और हिन्दू धर्म के प्रति असहिष्णु; साम्राज्य को अपनी सबसे बड़ी भौतिक हद तक लाया। मुग़ल साम्राज्य पर इस्लामी शरिया लागू किया। अत्यधिक नीतियों की वजह से उनकी मृत्यु के बाद कई दुश्मनों ने साम्राज्य को कम किया।

बहादुरशाह जफर I●●●●
उर्फ शाह आलम I 14 अक्टूबर 1643 1707-1712 फ़रवरी 1712 मुग़ल सम्राटों में पहले जिन्होंने साम्राज्य के नियंत्रण और सत्ता की स्थिरता और तीव्रता में गिरावट की अध्यक्षता करी। उनके शासनकाल के बाद, सम्राट एक उत्तरोत्तर तुच्छ और कल्पित सरदार बन कर रह गए।

जहान्दर शाह ●●
1664 1712-1713 फ़रवरी 1713 वह केवल अपने मुख्यमंत्री जुल्फिकार खान के हाथों की कठपुतली था। जहान्दर शाह का काम, मुगल साम्राज्य की प्रतिष्ठा को नीचे ले आया।

फुर्रूखसियर ●●●16831713-1719 1719 1717 में उन्होंने अंग्रेजी ईस्ट इंडिया कंपनी को बंगाल के लिए शुल्क मुक्त व्यापार के लिए फिर्मन प्रधान किया और भारत में उनकी

स्थिति की पुष्टि की।

रफी उल-दर्जात अज्ञात 1719 1719
रफी उद-दौलत
उर्फ शाहजहाँ II अज्ञात 1719 1719
निकुसियर अज्ञात 1719 1743
मोहम्मद इब्राहिम अज्ञात 1720 1744
मोहम्मद शाह 1702 1719-1720, 1720-1748 1748 1739 में पर्शिया के नादिर-शाह का आक्रमण सहा।

अहमद शाह बहादुर1725 1748-54 1754
आलमगीर II 1699 1754-1759 1759
शाहजहाँ III अज्ञात 1759 संक्षेप में 1770

शाह आलम II ●●
1728 1759-1806 1806 1761 में अहमद-शाह-अब्दाली का आक्रमण सहा; 1765 में बंगाल, बिहार और उड़ीसा के 'निज़ामी' को BEIC को प्रदान किया, 1803 में औपचारिक रूप से BEIC का संरक्षण स्वीकार किया।

अकबर शाह II●●
1760 1806-1837 1837 ब्रिटिश सुरक्षा में नाममात्र कल्पित सरदार

बहादुर ज़फ़र शाह II 1775 1837-1857 18५८ ब्रिटिशों द्वारा पद से गिराए गए और इस

महान गदर के बाद बर्मा के लिए निर्वासित हुए। बहादुर शाह के बच्चों को मार दिया गया और उनको बर्मा भेज दिया गया।

24 अप्रैल 2020

विषय ■इतिहास
पार्ट 2 ऑनर्स
व्यख्यान
प्रसंग ■ विजयनगर साम्राज्य (व्यख्यान संख्या 3)

By डॉ० शिशिर कुमार झा
इतिहास विभाग
MLS COLLEGE SARISAB PAHI MADHUBANI

विजय नगर राज्य का साम्राज्य विस्तार●●●●●

विजयनगर की स्थापना के साथ ही हरिहर तथा बुक्का के सामने कई कठिनाईयां थीं। वारंगल का शासक कापाया नायक तथा उसका मित्र प्रोलय वेम और वीर बल्लाल तृतीय उसके विरोधी थे। देवगिरि का सूबेदार कुतलुग खाँ भी विजयनगर के स्वतंत्र अस्तित्व को नष्ट करना चाहता था। हरिहर ने सर्वप्रथम बादामी, उदयगिरि तथा गुटी के दुर्गों को सुदृढ़ किया। उसने कृषि की उन्नति पर भी ध्यान दिया जिससे साम्राज्य में समृद्धि आयी। होयसल साम्राट वीर बल्लाल मदुरै के विजय अभियान में लगा हुआ था। इस अवसर का लाभ उठाकर हरिहर ने होयसल साम्राज्य के पूर्वी बाग पर अधिकार कर लिया। बाद में वीर बल्लाल तृतीय मदुरा के सुल्तान द्वारा 1342 में मार डाला गया। बल्लाल के पुत्र तथा उत्तराधिकारी अयोग्य थे। इस मौके को भुनाते हुए हरिहर ने होयसल साम्राज्य पर अधिकार कर लिया। आगे चलकर हरिहर ने कदम्ब के शासक तथा मदुरा के सुल्तान को पराजित करके अपनी स्थिति सुदृढ़ कर ली।

हरिहर के बाद बुक्का सम्राट बना हंलाँकि उसने ऐसी कोई उपाधि धारण नहीं की। उसने तमिलनाडु का राज्य विजयनगर साम्राज्य में मिला लिया। कृष्णा नदी को विजयनगर तथा बहमनी की सीमा मान ली गई। बुक्का के बाद उसका पुत्र हरिहर द्वितीय सत्तासीन हुआ। हरिहर द्वितीय एक महान योद्धा था। उसने अपने भाई के सहयोग से कनारा, मैसूर, त्रिचनापल्ली, कांची, चिंगलपुट आदि प्रदेशों पर अधिकार कर लिया।

शासकों की सूची●●●●●

हम्पी स्थित प्राचीन बाजार

संगम वंश●●

हरिहर राय १ 1336-1356

बुक्क राय १ 1356-1377

हरिहर राय २ 1377-1404

विरुपाक्ष राय 1404-1405

बुक्क राय २ 1405-1406

देव राय १ 1406-1422

रामचन्द्र राय 1422

वीर विजय बुक्क राय 1422-1424

देव राय २ 1424-1446

मल्लिकार्जुन राय 1446-1465

विरुपक्ष राय २ 1465-1485

प्रौढ राय 1489
सलुव वंश ●●

सलुव नरसिंह देव राय 1485-1491

थिम्म भूपाल 1491

नरसिंह राय २ 1491-1505

तुलुव वंश●●●

वीरनरसिंह राय 1503-1509

कृष्ण देव राय 1509-1529

अच्युत देव राय 1529-1542

सदाशिव राय 1542-1570

अरविदु वंश ●●●
अलिय राम राय 1542-1565

तिरुमल देव राय 1565-1572

श्रीरंग १ 1572-1586

वेंकट २ 1586-1614

श्रीरंग २ 1614-1614

रामदेव अरविदु 1617-1632
वेंकट ३ 1632-1642
श्रीरंग ३ 1642-1646